तारीख हुक्म	बाजदावी (दावा) हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज गोविन्दा V/S राजकुमार	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	पत्रावली वास्ते जवाब/बहस बाजदावी प्रार्थना पत्र दिनांक 9/1/2026 को पेश हो।	
9/1/2026	आज PO साहब अन्य काम में/मीटिंग/ दौरे पर/बार द्वारा कार्यस्थगित होने से आ०ता० पेशी दी गई। गत आदेशों की पालना में दिनांक 23/1/26 को पेश हो।	
23/1/2026	आज PO साहब अन्य काम में/मीटिंग/ दौरे पर/बार द्वारा कार्यस्थगित होने से आ०ता० पेशी दी गई। गत आदेशों की पालना में दिनांक 30/1/26 को पेश हो।	
30/1/26	पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष उपस्थित है। प्रतिवादी गण को 200 रु. की कोस्ट पर अवसर न्याय हित में जवाब पेश करने हेतु दिया गया। अप्रार्थी संख्या 3 लगा० 5 की ओर से जवाब पेश करने हेतु पत्रावली दिनांक 6/2/2026 को पेश हो।	
6/2/2026	पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष उपस्थित है। कोस्ट अदा की गई। अप्रार्थी अधिवक्ता द्वारा बहस हेतु निवेदन किया गया। अधिवक्ता उभय पक्ष की बाजदावी प्रार्थना पत्र पर बहस सुनी गई। पत्रावली वास्ते आदेशार्थ दिनांक 20/2/2026 को पेश हो।	
20/2/2026	पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष उपस्थित है। वकील उभय पक्ष की बहस गत तारीख पेशी पर सुनी गई थी जिसके आदेशार्थ आज की तारीख पेशी नियत है। बहस के दौरान प्रार्थी अधिवक्ता ने प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए बाजदावी प्रार्थना पत्र को स्वीकार किये जाने का निवेदन किया गया। अप्रार्थी अधिवक्ता द्वारा दौराने बहस बाजदावी प्रार्थना पत्र गलत धारा CPC पेश करने का उल्लेख करते हुए बाजदावी प्रार्थना पत्र को अस्वीकार करने का निवेदन किया गया। प्रार्थी का मूल वाद वादी की अनुपस्थिति में आदेश 9 नियम 8 के अन्तर्गत खारिज किया गया, जिसकी बाजदावी प्रार्थी द्वारा आदेश 9 नियम 9 में पेश की गई, जो सही है। प्रार्थी का बाजदावी प्रार्थना पत्र स्वीकार किया	

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
	जाना उचित प्रतीत होता है। अतः प्रार्थी का नामदारी प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है। प्रकरण कैमल सुमार होकर नम्बर से कम हो तथा पत्रावली मूल वाद के साथ शामिल हो।
	उपखण्ड अधिकारी सांथल